

## अस्पतालों में घातक हो सकते हैं सेलफोन

कई देशों के अस्पतालों में सेलफोन के इस्तेमाल पर रोक लगी हुई है मगर इसे कई बार अनदेखा किया जाता है और कई डॉक्टर सेलफोन का उपयोग ऑपरेशन थिएटर तक में करते हैं, जो बहुत ही खतरनाक साबित हो सकता है। सेलफोन से निकलने वाले संकेत संवेदी मेडिकल उपकरणों के लिए भी नुकसानदायक होते हैं।

ताज़ा शोध का तकाज़ा है कि अस्पतालों में सेलफोन उपयोग सम्बंधी नियम और अधिक पुख्ता किए जाने चाहिए। इससे इन संवेदी मेडिकल उपकरणों की तो सुरक्षा होगी ही, साथ ही मरीजों को भी पूरी सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी।

एम्सटर्डम विश्वविद्यालय के ऐकेडमिक मेडिकल सेंटर के एरिक फान लीशाउट व उनके साथियों ने गहन चिकित्सा इकाई के 61 उपकरणों पर सेलफोन के असर का अध्ययन किया। इनमें कृत्रिम श्वसन यंत्र, सिरिंज पंप वगैरह शामिल थे। उन्होंने पाया कि 33 प्रतिशत यंत्रों पर सेलफोन के संकेतों का असर पड़ा। कई बार तो सेलफोन संकेतों के

प्रभाव से यंत्र ने काम करना ही बंद कर दिया। यह भी देखने में आया कि कुछ यंत्रों के सुरक्षा अलार्म गड़बड़ हो गए। इस तरह के असर मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं।



उपकरणों पर असर के संदर्भ में जनरल पैकेट रेडियो सर्विस (जी.पी.आर. एस.) फोन ज़्यादा खतरनाक पाए गए। ये 3 मीटर की दूरी से भी असर डालते हैं। इसके विपरीत युनिवर्सल मोबाइल टेलीकम्युनिकेशन्स सिस्टम

(यू.एम.सी.एस.) का असर तभी होता है जब फोन किसी उपकरण से चंद से.मी. दूरी पर हो।

फान लीशाउट का कहना है कि सुरक्षा की दृष्टि से कई अधिकारियों ने सेलफोन इस्तेमाल की एक रेखा तय की है जिसे हमेशा अनदेखा किया जाता है। यह बहुत दुख की बात है कि मरीजों की जान बचाने वाले खुद ही इतने लापरवाह हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो डॉक्टर्स ऐसा करते हैं वे मरीज के जीवन से खेल रहे हैं। (स्रोत फीचर्स)